भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5688

जिसका उत्तर शुक्रवार, 27 मार्च, 2026/06 चैत्र, 1948 (शक) को दिया जाना है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत निधि का उपयोग

5688. श्री मनोज कुमार:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में कार्यरत उर्वरक कंपनियां किसानों के कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत निधि का उपयोग कर रही हैं;
(ख) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों के दौरान इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड, नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स और कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड जैसी प्रमुख उर्वरक कंपनियों द्वारा व्यय की गई सीएसआर निधि का राज्यवार और वर्षवार ब्यौरा क्या है;
(ग) सीएसआर के अंतर्गत कृषि विकास, स्वास्थ्य देख-रेख, शिक्षा और ग्रामीण अवसंरचना क्षेत्रों में शुरू की गई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या बिहार में, विशेषकर रोहतास और कैमूर जिलों के लिए सीएसआर परियोजना कार्यान्वित की गई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ड.) क्या सरकार का उक्त जिलों में उर्वरक कंपनियों को सीएसआर परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): राष्ट्रीय केमिल्स और फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफएल), नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) और द फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (एफएसीटी) ने कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुसार सीएसआर निधि का उपयोग किया है, जिसमें किसानों के कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए केंद्रित और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाया गया है।

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोऑरपोरेशन लिमिटेड (इफको) और कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) बहु-राज्य सहकारी समितियां हैं जो बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2002 के तहत शासित हैं। इसलिए, कंपनी अधिनियम 2013 के अधिदेश के अनुसार, सीएसआर व्यय करने का वैधानिक दायित्व लागू नहीं है। हालांकि, कृभको किसानों के कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए निधि का उपयोग कर रहा है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रमुख उर्वरक कंपनियों द्वारा खर्च किए गए सीएसआर निधि का वर्ष-वार और राज्य-वार विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है। कृषि विकास, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और ग्रामीण अवसंरचना के क्षेत्रों में प्रमुख उर्वरक कंपनियों द्वारा सीएसआर के तहत शुरू की गई परियोजनाओं का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(घ) से (ङ): नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) और कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभको) ने भी बिहार में सीएसआर परियोजनाएं शुरू की हैं। तथापि, एनएफएल और कृभको द्वारा बिहार के रोहतास और कैमूर जिलों में कोई सीएसआर परियोजना शुरू नहीं की गई है। एनएफएल ने मुख्य रूप से आकांक्षी जिला शेखपुरा में परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें सरकारी स्कूलों का विकास और बारबिघा ब्लॉक में कंप्यूटर लैब की स्थापना, सामुदायिक उपयोग के लिए गौशाला का निर्माण और गोराउल ब्लॉक, वैशाली जिले में लड़कियों और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य प्रबंधन परियोजना का कार्यान्वयन शामिल है। इन परियोजनाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए शुरू किया गया।

****

अनुलग्नक-I

यह अनुलग्नक दिनांक 27.03.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.5688 के उत्तर के भाग (क) और (ग) से संबंधित है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रमुख उर्वरक कंपनियों द्वारा खर्च किए गए वर्ष-वार और राज्य-वार सीएसआर फंड का विवरण।

(लाख रु.में)

क्र. सं.	सीपीएसई / सहकारी / वर्ष	राज्य	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
1.	नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल)	पंजाब	70.29	16.62	-	133.88	39.70
		मध्य प्रदेश	61.51	3.52	-	176.40	17.22
		उत्तर प्रदेश	17.72	7.48	0.70	-	-
		हरियाणा	14.71	0.21	0.70	3.58	-
		बिहार	-	-	-	18.39	17.60
		कर्नाटक	150.00	-	120.00	13.91	48.70
		कुल	**314.23**	**27.83**	**121.40**	**346.16**	**123.22**
2.	राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफएल)	महाराष्ट्र	415.43	639.97	1075.84	1076.55	1161.78
		तमिलनाडु	-	-	-	81.65	121.49
		उत्तर प्रदेश	-	41.89	9.89	170.07	-
		कर्नाटक	6.29	-	25.00	302.85	-
		दिल्ली	-	-	-	14.00	-
		झारखंड	-	-	-	39.99	26.66
		तेलंगाना	-	-	-	28.19	-
		आंध्र प्रदेश	-	-	-	24.66	-
		असम	-	-	7.80	-	-
		उत्तराखंड	-	-	5.00	-	-
		हरियाणा	-	2.00	-	-	-
		स्वच्छ भारत कोष में निधि	-	-	70.00	270.00	40.00
		कुल	**421.72**	**683.86**	**1193.53**	**2007.96**	**1349.93**

3.	**कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभको)**	आंध्र प्रदेश	4.52	3.89	4.85	4.77	5.00
		तेलंगाना	3.41	4.91	4.20	5.46	3.11
		तमिलनाडु	2.08	2.79	1.89	2.27	2.60
		कर्नाटक	1.45	2.37	2.31	2.03	1.97
		मध्य प्रदेश	4.80	7.54	7.88	6.78	4.83
		महाराष्ट्र	1.90	4.52	4.13	87.12	4.67
		गुजरात	11.50	12.22	13.77	14.13	10.83
		उत्तर प्रदेश	8.68	15.03	17.10	15.82	12.65
		बिहार	4.10	2.85	3.72	3.27	2.34
		उत्तराखंड	2.91	0.15	2.03	2.30	2.30
		पश्चिम बंगाल	0.52	1.43	2.16	2.07	2.36
		छत्तीसगढ	1.60	2.63	2.41	2.91	2.61
		हरियाणा	4.83	3.50	5.23	5.06	6.58
		राजस्थान	3.93	2.01	2.02	3.32	3.59
		पंजाब	2.89	4.60	4.74	4.71	4.04
		कुल	**59.12**	**72.67**	**78.44**	**78.77**	**69.48**
4.	**द फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (एफएसीटी)**	केरल	12.12	55.31	124.09	313.63	81.62
		तमिलनाडु	-	0.00	0.00	214.69	0.00
		उत्तर प्रदेश	-	46.00	0.00	0.00	0.00
		तेलंगाना	-	0.00	0.00	596.73	0.00
		कर्नाटक	-	4.98	0.00	193.76	43.11
		उड़ीसा	-	0.00	0.00	261.25	0.00
		पैन इंडिया	-	0.00	0.00	82.38	0.39
		कुल	**12.12**	**106.29**	**124.09**	**1662.44**	**125.12**

अनुलग्नक-II

यह अनुलग्नक दिनांक 27.03.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.5688 के उत्तर के भाग (क) और (ग) से संबंधित है।

प्रमुख उर्वरक कंपनियों द्वारा कृषि विकास, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सीएसआर के तहत शुरू की गई परियोजनाओं का विवरण।

क्र.सं.	सीपीएसई/क्षेत्र	कृषि	स्वास्थ्य देखभाल	शिक्षा	ग्रामीण अवसंरचना
1.	**नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल)**	एनएफएल ने किसानों के लिए जैव कीटनाशक उपयोग पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ केवीके में एक जैव-कीटनाशक प्रयोगशाला की स्थापना जैसी पहलों के माध्यम से संधारणीय कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया है। एनएफएल ने पंजाब और मध्य प्रदेश में महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि ड्रोन भी वितरित किए हैं।	प्रमुख पहलों में सरकारी अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना, मोबाइल डिजिटल स्वास्थ्य क्लीनिक, एम्बुलेंस और चिकित्सा उपकरणों, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, श्रवण यंत्रों और सहायक उपकरणों का वितरण, स्कूली बच्चों के लिए पोषण कार्यक्रम और नर्सों का प्रशिक्षण शामिल है।	एनएफएल ने बुनियादी ढांचे जैसे डेस्क, स्मार्ट क्लासरूम, मिनी साइंस सेंटर, कंप्यूटर लैब और शैक्षिक सामग्री के प्रावधान के साथ-साथ युवाओं के लिए कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सरकारी स्कूलों को सहायता प्रदान की है।	एनएफएल ने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए परियोजनाएं शुरू की हैं। एनएफएल ने स्थानीय निवासियों के लिए सुरक्षा, पहुंच और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नांगल (पंजाब) और बस्ती (उत्तर प्रदेश) सहित अपनी इकाइयों के पास गांवों में सौर ऊर्जा से चलने वाली एलईडी स्ट्रीट लाइटें भी लगाई हैं।
2.	**राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफएल)**	प्रमुख उपायों में किसानों को सैंपलिंग और बीजों की आपूर्ति, एक मोबाइल गन्ना फसल स्वास्थ्य क्लिनिक लगाना शामिल है।	एम्बुलेंस सेवाओं, डायलिसिस सहायता और चिकित्सा उपकरणों के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करना। आरसीएफएल ने "प्रोजेक्ट विंग्स" जैसी पहलों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया।	उस्मानाबाद जैसे आकांक्षी जिलों में दिव्यांगजनों के कौशल विकास के लिए "प्रोजेक्ट उन्नति" और दृष्टिबाधित बच्चों के लिए लक्षित सहयोग सहित अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए लक्षित सहयोग के माध्यम से समावेशी विकास की दिशा में केंद्रित प्रयास किए गए।	मछुआ गांवों में सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटें और ग्रामीण स्कूलों में सौर पैनल लगाना, थल इकाई के पास गांवों में स्वच्छ पेयजल का प्रावधान, स्वच्छता, शिक्षा अवसंरचना, अपशिष्ट प्रबंधन और सामुदायिक विकास में इंटरवेशन ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में योगदान दिया है।
3.	**द फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (एफएसीटी)**	पीएमकेएसके के लिए पुस्तकों की खरीद, प्रधानमंत्री-महिला किसान ड्रोन केंद्र (पीएम-एमकेडीके) योजना के तहत ड्रोन प्रदान करना और महिला ड्रोन पायलटों को प्रशिक्षण देना।	मोबाइल स्वास्थ्य इकाई, स्वच्छता अभियान, दवायुक्त मच्छरदानी, पेयजल की आपूर्ति, सामुदायिक फिटनेस सेंटर की स्थापना।	स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग सीयूएसएटी के सुरक्षा विभाग में चेयर प्रोफेसर की नियुक्ति, स्थानीय क्षेत्र में सरकारी स्कूलों के अवसंरचना का विकास, वैभव अपस्किलिंग कार्यक्रम, एकल विद्यालय, परम नवोन्मेषी परियोजना, केएमए छात्रवृत्ति, विकलांग छात्रों को प्रायोजित करना।	स्मार्ट आंगनवाड़ी की स्थापना, कचरा संग्रह के लिए 3 व्हीलर, सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए व्हील चेयर और जनरेटर।